>

Title: Issue regarding problem of drug-addiction among youth in Punjab.

श्री भगवंत मान (संगरूर): सभापति जी, आपने मुझे जीरो ऑवर में बोलने का मौका दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं जिस मुद्दे को आपके माध्यम से देश के सामने रखना चाहता हूं, वह पोलिटिकल भी है और सोशल भी है। देश को आजाद करवाने में पंजाब की कुर्बानियां 90 प्रतिशत से ज्यादा हैं, लेकिन आज पंजाब को जरूरत है कि देश पंजाब की तरफ ध्यान दे। देश पंजाब को सीरियस ले। आज पंजाब बहुत बड़े ड्रग क्राइसिस में आ गया है और वह ड्रग क्राइसिस पोलिटिकल है। मैं मैम्बर्स रेफरैंस सर्विस से पढ़ रहा हूं--According to the survey conducted by Shri Guru Nanak Dev University ...(व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON : Hon. Members, the time of the House was extended up to 7 o'clock. Now there are three more Members to speak. So, if the House agrees, we may extend the time of the House till they complete their speeches.

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes.

श्री भगवंत मान : सभापति महोदय, according to the survey conducted by Shri Guru Nanak Dev University, Amritsar पार्लियामैंट के मेरे पास डाक्यूमैंट्स हैं। 73.5 per cent of youth in the age of 16 to 25 years in Punjab is drug addicted. पंजाब की यह हालत हो गयी है। पंजाब के पैरेंट्स प्रैफर कर रहे हैं कि हमारे बच्चे इराक में भी जाकर काम कर लें, तो वहां पर सेफ रहेंगे। यहां पर मौत पक्की है, लेकिन वहां पर लक्की हैं। अगर बच गये, तो लक्की हैं, लेकिन यहां पर तो मौत पक्की है। पंजाब के गांव में सिविल कर्फ्यू लग गया है, क्योंकि बेटे अपनी मां को भी लूट सकते हैं। पंजाब के घरों मे सिविल कर्फ्यू लग गया है। जब बड़े-बड़े सप्लायर्स पकड़े गये तो उन्होंने ऑनरेबल मिनिस्टर का नाम लिया, लेकिन उनको आधे घंटे में ही क्लीन चिट दे दी गयी। अभी जो पकड़े जा रहे हैं, जो पोलिटिकल लोग हैं, वे आम लोगों की बात नहीं सुनते, ये सिर्फ वोटिंग मशीनों की बात सुनते हैं। पंजाब में वोटिंग मशीनों की आवाज सरकारों के खिलाफ आयी है, तो उन्होंने क्या किया? ...(व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: No allegations can be levelled.

श्री भगवंत मान : मैं एलीगेशन्स नहीं लगा रहा हूं। यह सोशल बात बता रहा हूं कि बड़े-बड़े मंत्रियों के नाम हैं। अभी उन्होंने छापे मारने शुरू किये। अब वे ड्रग एडिक्टिड को पकड़ रहे हैं। ...(व्यवधान) माननीय मंत्री जी, मैं बताना चाहता हूं कि अब वे पैशंट्स को पकड़ रहे हैं जिनको डी-एडिक्शन सैंटर में होना चाहिए था। अभी पंजाब में 70 हजार डी-एडिक्शन सैंटर्स हैं। वे यही बताने के लिए काफी हैं कि छोटे से पंजाब में कितना नशा बिक रहा है। डूरिंग इलैक्शन कोड, जो पकड़े गये हैं, मेरे पास पार्लियामैंट का सर्वे है--हेरोइन 218 केजी, सिर्फ 25-30 दिनों में इलैक्शन कोड लगता है, कैनबिस 43 केजी, स्मैक 6 केजी, चरस 17केजी, सिर्फ एक महीने में इलैक्शन कोड के दिनों में पकड़ी जाती है। पंजाब ड्रग में पूरी तरह से धंस गया है। पंजाब के नौजवान फिजिकली टैस्ट पास नहीं कर पा रहे हैं, जो फौज या पुलिस में भर्ती होने के लिए चाहिए।

इसीलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि इमीजिएट एक्शन लिया जाये। इसके लिए चीफ जस्टिस या रिटायर्ड जस्टिस का माध्यम बनाया जाये, ताकि पंजाब में ड्रग्स की सप्लाई रुके।